भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

20.11.2019 के

अतारांकित प्रश्न सं. 499 का उत्तर

रेलगाड़ियों में वाई-फाई

499. श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरेः
श्री सुधीर गुप्ताः
डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हेः
श्री गजानन कीर्तिकरः
डॉ. सुभाष रामराव भामरेः
श्री बालूभाऊ ऊर्फ सुरेश नारायण धनोरकरः
श्री के. नवासखनीः
श्री मोहनभाई कुंडारियाः
श्री बिद्युत बरन महतोः
श्री संजय सदाशिवराव मांडलिकः
श्री कुलदीप राय शर्माः
श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुलेः
श्री ए.के.पी. चिनराजः

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या अगले चार से साढ़े चार वर्षों में केन्द्र सरकार रेलगाड़ियों में वाई-फाई सेवा प्रदान करने की योजना बना रही है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) इस सुविधा को संभव बनाने के लिए कितने टावरों तथा उपकरणों की आवश्यकता होगी;
(ग) क्या रेलगाड़ियों के भीतर वाई-फाई सेवा रेलगाड़ी के डिब्बों में सुरक्षा बनाए रखने में सहायक होगी तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) उक्त उद्देश्य के लिए आवंटित/निर्धारित निधि का विवरण क्या है;
(ङ) रेलगाड़ियों के भीतर इस सेवा को लागू करने में सरकार कौन-सी समस्याओं का सामना कर रही है; और
(च) उक्त सेवाएं किस समय तक लागू की जाएंगी?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क) से (च): रेल मंत्रालय गाड़ियों में वाई-फाई आधारित इंटरनेट सुविधा मुहैया कराने के लिए उपयुक्त लागत प्रभावी तकनीक की तलाश कर रही है।

Sk

पायलट परियोजना के रूप में, सैटेलाइट कम्यूनिकेशन प्रौद्योगिकी के माध्यम से हावड़ा राजधानी एक्सप्रेस गाड़ियों में वाई-फाई आधारित इंटरनेट सुविधा मुहैया कराई गई थी। इस प्रौद्योगिकी में बैंडविड्थ प्रभारों के रूप में आवर्ती लागत सहित बहुत अधिक पूंजी खर्च होती थी और इसलिए, लागत की दृष्टि से यह प्रौद्योगिकी किफायती नहीं थी। साथ ही, इंटरनेट बैंडविड्थ की उपलब्धता यात्रियों के लिए अपर्याप्त थी।

जब कभी उपयुक्त प्रौद्योगिकी उपलब्ध होती है, गाड़ियों में इस सुविधा के प्रावधान के लिए उचित कार्रवाई की जाएगी।

******

Sk